PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 073
दि. 12.07.2026, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

भटहट-बांसस्थान फोरलेन की सौगात, सीएम योगी ने किया 758 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास

(जीएनएस)।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को भटहट-बांसस्थान फोरलेन सड़क समेत तकरीबन 758 करोड़ रुपये से अधिक की 24 विकास परियोजनाओं की सौगात दी।

बांसस्थान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने फोरलेन समेत 697 करोड़ 49 हजार रुपये की लागत वाली पांच सड़कों का लोकार्पण किया। साथ ही सड़क निर्माण एवं पर्यटन विकास से जुड़े 60 करोड़ 63 लाख 96 हजार रुपये की लागत वाले 19 विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया। सभी कार्य पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के हैं।

शनिवार दोपहर बाद मुख्यमंत्री बांसस्थान पहुंचे। उन्होंने 11.6 किलोमीटर लंबाई में बने भटहट-बांसस्थान फोरलेन को जनता को समर्पित किया। इसके निर्माण पर 689 करोड़ 35 लाख 33 हजार रुपये खर्च हुए हैं।

आयुष विवि का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के पहले, महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय का भी निरीक्षण किया। साथ ही आयुष विश्वविद्यालय में पुरुष व महिला छात्रावास का लोकार्पण भी किया। पुरुष छात्रावास का नामकरण ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में किया गया है जबकि महिला छात्रावास का नाम राप्ती रखा गया है।

सीएम योगी ने इनका किया लोकार्पण

भटहट-बांसस्थान फोरलेन सड़क, लंबाई 11.6 किमी, लागत 689 करोड़ 35 लाख 33 हजार रुपये।

चकजलाल घोड़ादेउर होते हुए तरकुलही हनुमान मंदिर तक संपर्क मार्ग का निर्माण, लंबाई 4.85 किमी, लागत तीन करोड़ 59 लाख 40 हजार रुपये।

हाफिज नगर द्वितीय संपर्क मार्ग का नव निर्माण, लंबाई 2.05 किमी, लागत 1 करोड़ 67 लाख 25 हजार रुपये।

पिपराइच बरगदही मार्ग से सिरसिया महादेव मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, लंबाई 0.635 किमी, लागत दो करोड़ 30 लाख 21 हजार रुपये।

ग्रामसभा फुलवरिया बड़ा टोला छपिया रजवाहा नहर पुल से मार्ग पर सीसी रोड, लागत आठ लाख 29 हजार रुपये।सीएम योगी ने इन कार्यों का किया शिलान्यास

भरवलिया से एकला (टेराकोटा उद्योग रिसर्च सेंटर) मार्ग का नवनिर्माण, लंबाई दो किमी, लागत एक करोड़ 53 लाख रुपये।

गुलरिहा रामनगर से एकला ग्राम

तक मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, लंबाई 3.5 किमी, लागत छह करोड़ 95 लाख 71 हजार रुपये।

सरैया बांसस्थान मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, लंबाई 13.8 किमी, लागत 38 करोड़ 32 लाख 92 हजार रुपये।

ग्राम सिरसिया में महादेव कुंड का पर्यटन विकास, लागत तीन करोड़ 98 लाख 85 हजार रुपये।

ग्राम बूढ़ाडीह में समय माता मंदिर का पर्यटन विकास, लागत एक करोड़ 77 लाख 37 हजार रुपये।

ग्राम औरंगाबाद का ग्रामीण पर्यटन विकास, लागत 96 लाख 29 हजार रुपये।

जंगल डुमरी नंबर एक से फैलहवा कोदईसाह टोला तक लेपन कार्य, लागत 61 लाख 54 हजार रुपये।

ग्राम बनगाई टोला बंजरहा में सीसी रोड एवं नाली निर्माण, लागत 23 लाख रुपये।

जंगल धूसढ़ टोला हसनगंज में सीसी रोड, लागत 57 लाख 30 हजार रुपये।

चरगांवा ब्लाक में सीसी रोड, लागत एक करोड़ 61 लाख 44 हजार रुपये।

खुटहन खास में सड़क लेपन कार्य, लागत 28 लाख 9 हजार रुपये।

ग्रामसभा अहमद अली शाह के बसंतपुर टोले में पिच लेपन कार्य, लागत 32 लाख 38 हजार रुपये।

ग्रामसभा जंगल अयोध्या प्रसाद के शिवरामपुर टोले में पिच लेपन कार्य, लागत 35 लाख 96 हजार रुपये।

ग्रामसभा करमौरा में नहर पटरी पिच रोड का लेपन कार्य, लागत 74 लाख 18 हजार रुपये।

ग्रामसभा जंगल एकला नंबर दो के पिपरा टोले में इंटरलाकिंग, लागत 86 लाख रुपये।

ग्रामसभा मौलाखोर में कैथवलिया मार्ग पर कालीमंदिर तक इंटरलाकिंग, लागत 39 लाख 69 हजार रुपये।

ग्रामसभा फुलवरिया में आंतरिक गलियों में इंटरलाकिंग, लागत 40 लाख 88 हजार रुपये।

ग्रामसभा जंगल नाकिन में इंटरलाकिंग, 32 लाख 39 हजार रुपये।

ग्रामसभा महराजगंज के देवपुर टोले में इंटरलाकिंग, लागत 36 लाख 97 हजार रुपये।

मुख्यमंत्री योगी ने आयुष विश्वविद्यालय में बालक और बालिका छात्रावास का किया उद्घाटन

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार की शाम को प्रदेश के प्रथम महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय में नवनिर्मित बालक और बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया। बालक छात्रावास का नामकरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरुदेव राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में हुआ है, जबकि बालिका छात्रावास राप्ती नामाकृत है।

(जीएनएस)।

गोरखपुर, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार की शाम को प्रदेश के प्रथम महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय में नवनिर्मित बालक और बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया। बालक छात्रावास का नामकरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरुदेव राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में हुआ है, जबकि बालिका छात्रावास राप्ती नामाकृत है।

छात्रावास के उद्घाटन अवसर पर सीएम योगी ने दोनों छात्रावासों के आवंटी चिकित्सक विद्यार्थियों को उनके कमरों की चाबी भी सौंपी। उन्होंने आयुष विश्वविद्यालय परिसर में निमार्णाधीन ऑडिटोरियम का भी निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए इसे शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

भटहट-बांसस्थान फोरलेन सड़क का भटहट मोड़ पर लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आयुष विश्वविद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने बालक और बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया। छात्रावास का भ्रमण कर उन्होंने वहां उपलब्ध सुविधाओं की भी जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खिड़कियों पर जाली लगवाने, साफ सफाई की उत्कृष्ट व्यवस्था करने तथा मेस में गुणवत्तापूर्ण भोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने छात्रावास के आवंटी एमडी आयुर्वेद के विद्यार्थियों से भी आत्मीय संवाद किया। उन्होंने आयुर्वेद की उच्च शिक्षा को बेहतरीन अवसर बताते हुए विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। छात्रावास का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय परिसर में बन रहे ऑडिटोरियम के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने उन्हें अद्यतन प्रगति से अवगत कराया।

ऑडिटोरियम के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कार्यदायी संस्था से निर्माण कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हुए जल्द से जल्द इसे पूर्ण कर लिया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आयुष विश्वविद्यालय में छात्रावास के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. के रामचंद्र रेड्डी ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

नाबालिग की जबरन भर दी थी मांग, अब कोर्ट ने सुनाई ऐसी सजा जो बन गया देश के लिए मिसाल

बिहार के औरंगाबाद जिले से एक ऐसा फैसला सामने आया है, जिसे महिला की सुरक्षा और उनके अधिकारों की दिशा में बड़ी मिसाल माना जा रहा है। एक युवक ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर उसकी इच्छा के खिलाफ मंदिर में जबरन शादी कर ली थी। अब स्पेशल पोक्सो कोर्ट ने आरोपी को 20 साल के सश्रम कारावास और जुमार्ने की सजा सुनाई है।

अदालत ने इस फैसले के जरिए लोगों को कड़ा संदेश देते हुए बताया है कि, नाबालिग की सहमति के बिना शादी और उसके अधिकारों का हनन करने वालों के खिलाफ कानून बेहद सख्त है।

पवन कल्याण को क्या हुआ, तीन घंटे चली सर्जरी? क्या एक्टर से डिप्टी सीएम बने पवन की फैंस ने की ये हालत

(जीएनएस)।

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम और सुपरस्टार एक्टर पवन कल्याण मुंबई के अस्पताल में भर्ती करवाए गए हैं। पवन कल्याण की अस्पताल में लगभग तीन घंटे तक सर्जरी चली। जनसेवा पार्टी के बाद पवन कल्याण की सर्जरी सफल रही और उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। इसके साथ ही पार्टी ने अपने अधिकारिक बयान में ये भी खुलासा किया कि आखिर ऐसा क्या हुआ जिसके कारण पवन कल्याण के दोनों कंधों में ये दिक्कत हुई?

पवन कल्याण को क्या हुआ, करवानी पड़ी सर्जरी?

दरअसल, पवन कल्याण की जन सेना पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर डिप्टी सीएम की हेल्थ से जुड़ा ये अपडेट जारी किया है। जिसमें बताया गया है कि उनके दोनों कंधों में रोटेशन कफ से जुड़ी गंभीर चोटे थीं।

जिसके बाद स्पेसलिस्ट डॉक्टरों की टीम ने तुरंत सर्जरी कराने की सलाह दी थी लेकिन वो आधिकारिक कामों के चलते सर्जरी को टालते रहे तकलीफ बढ़ने पर आज दाहिने कंधे की सर्जरी डॉक्टरों ने की। लगगभ साढ़े तीन घंटे मुंबई के अस्पताल में ये ऑपरेशन चला।

क्या फैंस ने पवन कल्याण की इस हालत के जिम्मेदार?

जन सेना पार्टी ने स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी देते हुए ये भी खुलासा किया कि पवन कल्याण को कंधे में ये चोटें वर्ष 2016 में लगी थी जो बाद में और गंभीर होती गई। 2018 की 'पोराटा यात्रा' से लेकर हालिया चुनावी अभियानों तक, राजनीतिक रैलियों में उत्साहित भीड़ उनके हाथ खींचती रही थी। अपने नेता का स्वागत करने के लिए उत्साह से पार्टी के समर्थक और फैंस उनका हाथ पकड़कर खींचते थे, उन्होंने असहनीय दर्द चुपचाप सहा। पवन कल्याण अधिकारिक जिम्मेदारियों के कारण अपनी सर्जरी टाल रहे थे।

भारत में 16 साल तक के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर लगेगा बैन? पीएम मोदी के बयान से लगने लगे कयास

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए थे, वहां उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई सरकार के काम-काज की तारीफ की। पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया में किशोरों के लिए सोशल मीडिया लगे बैन का समर्थन किया।

पीएम मोदी के इस बयान के साथ ही कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत में भी भविष्य में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उम्र के आधार पर पाबंदियां लगाई जा सकती हैं।

16 साल के बच्चे नहीं चला पाएंगे सोशल मीडिया?

गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया की अपनी द्विपक्षीय यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को रेगुलेट करने के देश के तरीके की तारीफ की।

पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से कहा, 'क्ळ और सोशल मीडिया से जुड़े नुकसानों से समाज को बचाने के लिए ऑस्ट्रेलिया का काम दुनिया को प्रेरित कर रहा है।'

केंद्र सरकार ने कुछ महीनों यह पुष्टि की थी कि सरकार बच्चों के लिए उम्र-आधारित पाबंदियां लागू करने के

बारे में सोशल मीडिया कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है और कई भारतीय राज्यों ने पहले ही अपने-अपने कानून बनाने पर विचार करना शुरू कर दिया है।

भारत के लिए उदाहरण बना ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया में इस समय सोशल मीडिया को लेकर सबसे ज्यादा कड़े कानून बनाए गए हैं। इसके 'ऑनलाइन सेफ्टी अमेंडमेंट (सोशल मीडिया मिनिमम एज) एक्ट, 2024' के तहत प्लेटफॉर्म के लिए यह जरूरी है कि वे उम्र-सत्यापन के तरीकों का इस्तेमाल करके 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया सेवाओं का इस्तेमाल करने से रोकें।

क्ळ मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस साल की शुरूआत में कहा था कि सरकार बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों के साथ उम्र-आधारित पाबंदियों पर चर्चा कर रही है।

उन्होंने बच्चों के हानिकारक ऑनलाइन कंटेंट के संपर्क में आने को एक ऐसी समस्या बताया जो दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्री हेमकुंड साहिब के लिए बनने वाले रोपवे का जिक्र किया

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि श्री हेमकुंड साहिब के बारे में जानते हैं, यह हिमालय की ऊंचाइयों

पर है। साल का लंबा समय बर्फ की चोटियों से घिरा रहता है। वहां पर अगर कोई दर्शन करने के लिए जाना चाहे तो बड़ा कठिन मार्ग है। बहुत कम लोग जा पाते हैं। वहां पर दर्शन के जाने में खासकर बुजुर्ग और हमारे सिख भाई-बहनों को सहूलियत हो, इसलिए सरकार श्री हेमकुंड साहिब तक रोपवे भी बनवा रही है।

ई20 पर केजरीवाल का हमला, पेट्रोल पंप पहुंचकर खुद की पड़ताल, बोले-'माइलेज घटा, गाड़ियों में आ रही दिक्कतें'

(जीएनएस)।

देशभर में ई20 पेट्रोल को लेकर चल रही बहस अब सियासी रंग भी लेने लगी है। आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार (11 जुलाई) को दिल्ली के एक पेट्रोल पंप और वाहन सर्विस स्टेशन का दौरा कर ई20 पेट्रोल से जुड़े दावों की जमीनी हकीकत जानने की कोशिश की।

दौरे के बाद उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ई20 पेट्रोल को लेकर लोगों को सही तस्वीर नहीं बताई जा रही है। उनका दावा है कि कई वाहन मालिक माइलेज घटने और गाड़ियों में तकनीकी दिक्कतों की शिकायत कर रहे हैं। वहीं केंद्र सरकार इन आरोपों को खारिज करते हुए कहती है कि ई20 नीति व्यापक परीक्षण के बाद लागू की गई है और इससे वाहनों को नुकसान नहीं होता।

अरविंद केजरीवाल ने क्या कहा?

पेट्रोल पंप और सर्विस स्टेशन के

दौरे के बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने खुद लोगों से बात की और कई वाहन चालकों ने ई20 पेट्रोल को लेकर शिकायतें कीं। उनके मुताबिक आम लोगों का कहना है कि पहले की तुलना में माइलेज कम हो गया है और कुछ वाहनों में तकनीकी खराबी भी देखने को मिल रही है।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सरकार ई20 पेट्रोल के असर को लेकर सही जानकारी नहीं दे रही है। उनका कहना है कि इस नीति का असर सीधे आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।

ई20 पेट्रोल क्या है और विवाद क्यों?

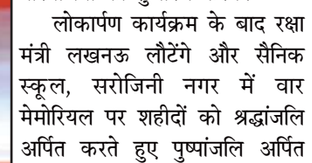

ई20 ऐसा पेट्रोल है जिसमें 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल मिलाया जाता है। भारत में 2025 से इसे देशभर में लागू किया गया, जबकि पहले ए10 यानी 10 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल इस्तेमाल होता था। केंद्र सरकार का कहना है कि इससे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटेगी, कार्बन उत्सर्जन कम होगा और गन्ना किसानों को एथेनॉल उत्पादन के जरिए अतिरिक्त आय मिलेगी।

आसमान में 4 मिनट तक फंसा रहा सीएम सम्राट चौधरी का हेलिकॉप्टर, थम गईं सांसें!

बिहार के हाजीपुर में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी के हेलिकॉप्टर ने उस समय सभी की धड़कनें बढ़ा दीं, जब उड़ान भरने के बाद वह करीब 150 फीट की ऊंचाई पर लगभग चार मिनट तक एक ही स्थान पर हवा में मंडराता रहा। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हालांकि बाद में स्थिति पूरी तरह सामान्य रही। जानकारी के अनुसार, रूट क्लीयरेंस की पुष्टि नहीं होने के कारण हेलिकॉप्टर को कुछ देर तक होल्डिंग पैटर्न में रखा गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का लखनऊ दौरा 13 को, एक्सप्रेसवे लोकार्पण व केजीएमयू के दीक्षा समारोह में होंगे शामिल

(जीएनएस)।

लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 13 जुलाई को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के दौरे पर रहेंगे। सोमवार को राजनाथ सिंह लखनऊ में किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के 22वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने के साथ लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे लोकार्पण एवं जनसभा में शामिल होंगे।

भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि भारत सरकार के रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर लखनऊ आएंगे। रक्षा मंत्री प्रातः 10:35 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से सीधे किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) जाएंगे। 22वें दीक्षांत

समारोह में उनका सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कार्यक्रम है।

दीक्षांत समारोह के बाद राजनाथ सिंह अपने सरकारी आवास, कालिदास मार्ग पहुंचेंगे। इसके बाद दोपहर 3:00 बजे ला मार्टिनियर कॉलेज हेलीपैड से हेलीकॉप्टर से उन्नाव रवाना होंगे। राजनाथ सिंह लखनऊझ्रकानपुर एक्सप्रेसवे के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होकर प्रदेश की आधारभूत संरचना को नई गति देने वाली इस महत्वपूर्ण परियोजना का शुभारंभ करेंगे।

लोकार्पण कार्यक्रम के बाद रक्षा मंत्री लखनऊ लौटेंगे और सैनिक स्कूल, सरोजिनी नगर में वार मेमोरियल पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वे शाम 4:30 बजे से 5:45 बजे तक सैनिक स्कूल परिसर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रमों के समापन के बाद रक्षा मंत्री शाम 6:00 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

सीएम योगी गोरखपुर से करेंगे पौधरोपण महायज्ञ का शुभारंभ, 35 करोड़ पौधे लगाने का है लक्ष्य

(जीएनएस)।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 12 जुलाई को गोरखपुर की धरती से प्रदेशव्यापी 'पौधरोपण महायज्ञ-2026' का शुभारंभ करेंगे। पर्यावरण संरक्षण के इस महाभियान के तहत मुख्यमंत्री रविवार सुबह भगवानपुर टोल प्लाजा लिंक एक्सप्रेसवे के समीप और आरकेबीके के पास ताल रिंग रोड के किनारे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण करेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे, जहां वह प्रदेशवासियों से इस महायज्ञ में जिम्मेदारीपूर्वक अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान करेंगे। कार्यक्रम में उनके साथ प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. अरुण कुमार सक्सेना भी मौजूद रहेंगे।त्रिवेणी और मौलश्री के पौधों से होगी शुरूआत

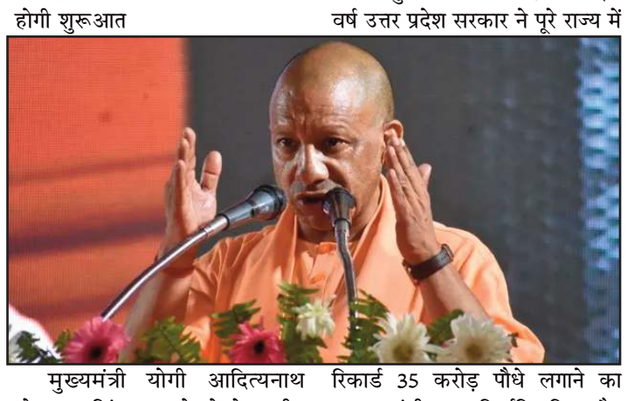

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के समीप अत्यंत पवित्र मानी जाने वाली त्रिवेणी (नीम, पीपल और बरगद) का पौधा रोपकर इस महाभियान की शुरूआत करेंगे। इसके बाद वह ताल रिंग रोड के किनारे मौलश्री के पौधे का रोपण करेंगे। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में इस वर्ष उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य में रिकार्ड 35 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

गोरखपुर को मिला 55.28 लाख का लक्ष्य

इस महाभियान को सफल बनाने के लिए वन विभाग के संयोजन में कुल 27 विभागों के आपसी सामंजस्य से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कुल लक्ष्य में से गोरखपुर जिले को 55 लाख 28 हजार 600 पौधे लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान वन विभाग का होगा।

यह भी पढ़ें- 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में निशुल्क मिलेंगे 2.85 लाख पौधे, होगी जियो टैगिंग

प्रभागीय वनाधिकारी शुभम सिंह ने बताया कि जिले के लक्ष्य को समय से पूरा करने के लिए सभी राजकीय पौधशालाओं में उच्च गुणवत्ता वाले पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है।

पौधों के बेहतर विकास और उनकी उत्तरजीविता (सरवाइवल) दर बढ़ाने के लिए चिन्हित स्थलों पर गड्ढा खुदाई, टाप सायल (ऊपरी मिट्टी) की व्यवस्था और पौधों के संरक्षण के कड़े इंतजाम पहले ही पूरे किए जा चुके हैं।

राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के जिला अध्यक्ष ने जिला अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

लखनऊ , राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा फअ.ट लखनऊ महानगर जिला अध्यक्ष नीरज शुक्ला ने जिले की टीम के साथ महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, को लखनऊ के जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा ' इस मौके पर लखनऊ जिले के पदाधिकारी अरविंद गुप्ता, परविंद गुप्ता, मुकेश शुक्ला, रतन शर्मा, नरेंद्र गर्ग, आशुतोष दुबे,वरिष्ठ नेता भवानी शुक्ला व भारी संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे ' दिनांक 05/07/2026 को लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के रोड शो के दौरान बजरंगबली के स्वरूप के कथित अपमान के संबंध में निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही किए जाने हेतु ज्ञापन सौंपा`

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के रोड शो के दौरान घटित उस घटना की ओर आकृष्ट करना चाहते हैं, जिसे देशभर के अनेक सनातन धर्मावलंबियों ने अपनी धार्मिक आस्था एवं श्रद्धा के विरुद्ध माना है। कथित रूप से रोड शो में भगवान श्री बजरंगबली का स्वरूप धारण किए हुए व्यक्ति के हाथ में राजनीतिक दल का झंडा देकर उसे नृत्य कराते हुए प्रदर्शित किया गया, जिससे करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाएँ आहत हुई हैं। भगवान श्री हनुमान जी समस्त सनातन समाज के आराध्य हैं और उनका किसी भी प्रकार से राजनीतिक प्रचार-प्रसार में ऐसा उपयोग समाज के एक बड़े वर्ग को पीड़ा पहुँचाने वाला प्रतीत होता है।

इस मौके पर राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (फअ.ट.) के जिला अध्यक्ष ने निम्नलिखित मांगें की हैं —

1. दिनांक 05/07/2026 की उक्त घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

2. यदि जांच में धार्मिक भावनाओं को आहत करने अथवा विधि का उल्लंघन पाए जाने के तथ्य सामने आएँ, तो दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाए।

3. भविष्य में किसी भी राजनीतिक दल अथवा संगठन द्वारा देवी-देवताओं एवं धार्मिक प्रतीकों के अनुचित राजनीतिक उपयोग पर प्रभावी दिशा-निर्देश जारी किए जाएँ।

4. करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की आहत धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।अतः महोदया से विनम्र निवेदन है कि उपर्युक्त विषय का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेकर आवश्यक एवं न्यायोचित कार्यवाही करने की कृपा करें।

विमान से पक्षी टकराने के बाद लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग, दुबई से आ रही थी फ्लाइट

(जीएनएस)।

लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए विमान को सकुशल लैंड कराया।

लखनऊः उत्तर प्रदेश के लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह एक पक्षी के विमान से टकरा जाने से उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। यह फ्लाइट दुबई से लखनऊ आ रही थी।

प्लाइट एफडी-443 शनिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे लखनऊ पहुंचने वाली थी। जब दुबई से चलकर फ्लाइट लखनऊ एयरपोर्ट के पास पहुंची तो एक पक्षी अचानक विमान से टकरा गया। पक्षी के टकरा जाने के बाद पायलट ने सूझबूझ का परिचय दिया और तुरंत फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराने का फैसला लिया। विमान सुबह करीब सवा सात बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर सकुशल लैंड किया।

लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान के सुरक्षित लैंड होने के बाद क्रू मेंबर के साथ यात्रियों ने राहत की सांस ली। हादसे के बाद विमान को रनवे से हटाकर पार्किंग बे में खड़ा कर दिया गया है। जहां उसकी जांच की जा रही है।

यही विमान फिर से लखनऊ से दुबई के लिए रवाना होने वाला था, लेकिन पक्षी के टकराने के बाद इसको रोक लिया गया है। एयरलाइन के इंजीनियर इंजन समेत अन्य उपकरणों की जांच कर रहे हैं। सभी सुरक्षा मानकों पर खरा उतरने के बाद विमान को उड़ान की अनुमति दी जाएगी।

पूर्व अफ्छड ललित कुमार की संपत्ति की जांच में नए खुलासे, लखनऊ के बक्शी का तालाब में भी मिलीं जमीनें

पूर्व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार की भ्रष्टाचार मामले में मुश्किलें बढ़ गई हैं, लखनऊ के बक्शी का तालाब में उनके कृषि योग्य भूखंडों का सत्य .

पूर्व एआरटीओ ललित कुमार की भ्रष्टाचार मामले में बढ़ी मुश्किलें।

लखनऊ के बक्शी का तालाब में कृषि भूखंडों का सत्यापन हुआ।

विजिलेंस ने 35 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त की।

(जीएनएस)।

लखनऊ। भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) ललित कुमार की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। आरोपित ने लखनऊ के बक्शी का तालाब में भी कृषि योग्य तीन भूखंड खरीदे थी। विजिलेंस की टीम ने शनिवार को इन भूखंडों का सत्यापन करा लिया है। साथ ही, आरोपित को

पूछताछ के लिए अगले सप्ताह पेश होने का नोटिस भेजा गया है।

विजिलेंस ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में बीते मंगलवार से लेकर बुधवार तक लखनऊ में आरोपित के अलीगंज सेक्टर-ई स्थित आवास पर छापेमारी कर 35 करोड़ रुपये से अधिक की चल व अचल संपत्तियां और उनसे संबंधित दस्तावेज बरामद किए थे। इनमें 13 किलो सोना, नौ किलो चांदी तथा लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली व नोएडा की 15 अचल संपत्तियां शामिल हैं।

पिछले नौ वर्षों में विजिलेंस द्वारा की गई यह सबसे बड़ी बरामदगी है। इसीलिए इस मामले को लेकर विजिलेंस की टीम काफी गंभीर है। आरोपित के ठिकानों से मिले संपत्तियों के दस्तावेजों का सरकारी रिकॉर्ड से मिलान कराया जा रहा है। साथ ही, उनकी और संपत्तियों की तलाश की जा रही है।

इसी सिलसिले में विजिलेंस को बक्शी का तालाब क्षेत्र में कृषि योग्य भूमि की जानकारी भी मिली है। आरोपित को विदेश भागने से रोकने के लिए विजिलेंस ने पासपोर्ट जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

आगे की कार्रवाई को लेकर विजिलेंस के अधिकारियों का कहना है कि आरोपित से बरामद सोना, चांदी, कार व अचल संपत्तियों के दस्तावेजों के बारे में अगले सप्ताह पूछताछ की जाएगी।

खतरे की घंटी! दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों में

उत्तर प्रदेश के दो कानपुर और लखनऊ ऐसे शहर हैं जो भविष्य में भीषण गर्मी की चपेट में आ सकते हैं। यह शहर दुनिया के इस तरह के जोखिम वाले टॉप 50 शहरों में शामिल हैं। इन शहरों में भारत के 14 शहर शामिल हैं।

लिस्ट में भारत, पाकिस्तान, नाइजीरिया और घाना के सबसे अधिक शहर

महाराष्ट्र के नागपुर और पुणे, तमिलनाडु के मदुरै और चेन्नई खतरे में

कर्नाटक का बेंगलुरु और उत्तर प्रदेश के कानपुर और लखनऊ शहर संवेदनशील

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तरप्रदेश के लखनऊ और कानपुर दुनिया भर के उन 50 शहरों की लिस्ट में शामिल हैं जहां भीषण गर्मी का खतरा है। इस लिस्ट में भारत के 14 शहर शामिल हैं। दुनिया के 205 बड़े शहरों के विश्लेषण से पता चला है कि, भारत, पाकिस्तान, नाइजीरिया और घाना में भीषण गर्मी के खतरे वाले सबसे ज्यादा शहर हैं। इन 50 शहरों में प्रमुख पर्यटन स्थल भी शामिल हैं।

देश के 14 शहरों पर मंडरा रहा खतरा

एक नए अध्ययन में पता चला है कि लखनऊ और कानपुर उन 14 भारतीय शहरों में शामिल हैं जो कि

दुनिया के 50 सबसे ज्यादा गर्मी के खतरे वाले शहरों की ग्लोबल लिस्ट में हैं। इन 50 शहरों में जयपुर जैसा प्रमुख पर्यटन शहर और इंटरनेशनल बिजनेस हब भी शामिल है। सबसे ज्यादा खतरे वाले 95 प्रतिशत से अधिक शहर दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया और सब-सहारा अफ्रीका में हैं।

लिस्ट में अहमदाबाद दूसरे नंबर पर

जर्नल 'सस्टेनेबल सिटीज एंड सोसाइटी' में एक अध्ययन रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। इसके अनुसार, इराक का अल बसरा शहर दुनिया में गर्मी के सबसे ज्यादा खतरे वाला शहर है। इसके बाद गुजरात का अहमदाबाद है। इस स्टडी में उन जगहों की पहचान की गई है जहां धरती के गर्म होने के साथ लोगों को सबसे अधिक खतरा है। इन शीर्ष 50 खतरे वाले शहरों में शामिल 14 भारतीय शहरों में महाराष्ट्र के नागपुर और पुणे, तमिलनाडु के मदुरै और चेन्नई, कर्नाटक का बेंगलुरु और उत्तर प्रदेश के कानपुर और लखनऊ शहर शामिल हैं।

गर्मी से निपटने की क्षमता सीमित

ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की रिसर्चर और मुख्य लेखक नेथमी जयारत्ने करियावसम के अनुसार, 'खतरे के लिए सिर्फ अधिक तापमान का सामना करना ही मायने नहीं रखता। हमारी स्टडी कई तरह से गर्मी से जुड़े खतरों के आकलन के महत्व को बताती है। इससे पता चलता है कि शहरी इलाकों में गर्मी का खतरा किन अलग-अलग तरीकों से पैदा होता है।'

करियावसम ने कहा, कई बड़े शहरों में, खासकर एशिया और अफ्रीका में, भीषण गर्मी के साथ-साथ लोगों की कमजोरी और उससे निपटने की सीमित क्षमता भी देखने को मिलती है। यह मेल गर्मी के खतरे को काफी बढ़ा सकता है और कुछ मामलों में जानलेवा नतीजे भी सामने आ सकते हैं।

10 लाख से अधिक आबादी के शहरों पर स्टडी

इस अध्ययन में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का विश्लेषण किया गया है। इसमें उन कारणों पर ध्यान दिया गया है जो गर्मी से जुड़ी बीमारियों और मौत के जोखिम को बढ़ाते हैं, जैसे कि उम्र और आर्थिक स्थिति। साथ ही एयर कंडीशनिंग जैसी कूलिंग सुविधाओं और पेड़-पौधों जैसे इकोलॉजिकल बफर्स तक पहुंच को भी ध्यान में रखा गया है।

अध्ययन के लेखकों के अनुसार, भारत, पाकिस्तान, नाइजीरिया और घाना में गर्मी के खतरे में सबसे ज्यादा शहर हैं। काहिरा (मिस्र), बैंकॉक (थाईलैंड), हनोई (वियतनाम) और जयपुर (भारत) जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल और अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र भी शीर्ष 50 शहरों में शामिल हैं।

ग्लोबल वार्मिंग का खतरनाक चक्र

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर और इस रिसर्च की सह पर्यवेक्षक राधिका खोसला ने कहा, 'दुनिया भर में एयर कंडीशनिंग की मांग बढ़ रही है, लेकिन बहुत से लोग इसे खरीद नहीं सकते। यदि हम कूलिंग के इस ज्यादा ऊर्जा की खपत वाले तरीके पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं तो ग्लोबल वार्मिंग के एक खतरनाक चक्र में फंसने का जोखिम है।'

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर जाने से पहले जान लें ये नियम, कार इस गति से चलेगी, ये वाहन यहां पूरी तरह से प्रतिबंधित

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 13 जुलाई को होगा, जिसके बाद यह जनता के लिए खुल जाएगा। इस पर कार की अधिकतम गति 120 किमी/घंटा होगी

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 13 जुलाई को।

कार की अधिकतम गति 120 किमी/घंटा निर्धारित।

बाइक, ऑटो, ई-रिक्शा, साइकिल पूरी तरह प्रतिबंधित।

(जीएनएस)।

उन्नाव। लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे का 13 जुलाई को लोकार्पण होना है। अगले दो दिनों में एक्सप्रेसवे लोगों के लिए शुरू हो जाएगा। ऐसे में नियमों के साथ यहां पर वाहन चलेंगे। इसमें कार की गति को यहां पर चलने के लिए निर्धारित की गई। साथ ही बाइक, आटो सहित कई वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है।

13 जुलाई को लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे के लोकार्पण को जनपद में पड़री खुर्द ग्राम पंचायत के मजरे झाऊ खेड़ा में एनएचएआई की संरक्षित पांच बीघा जमीन पर कार्यक्रम की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। यहां तीन हेलीपैड बनाए जा चुके हैं। इन पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकाप्टर किस वाले पर उतरेगा इसका भी चिह्नांकन किया जा चुका है।

लोकार्पण के साथ ही जनता को होगा समर्पित

निर्माण एजेंसी पीएनएसी के प्रोजेक्ट और सुरक्षा मैनेजर विजय एस कुंडू ने बताया कि लोकार्पण को लेकर सारी तैयारियां लगभग पूरी हैं। जो कसर रह गई है। वैसे तो बारिश खलल डाल रही है लेकिन काम किया जा रहा है। 13 जुलाई को जनता के लिए लोकार्पण होने जा रहा लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे जहां अपने अत्याधुनिक निर्माण के लिए विशेष माना जा रहा है।

गति के मानक तय किए गए

वहीं इस सड़क पर चलने वाली कार व भारी वाहनों के लिए गति मानक तय किए गए हैं। एनएचएआइ पीडी नकुल वर्मा ने बताया कि इस मार्ग पर कार की अधिकतम गति सीमा जहां 120 किमी प्रति घंटा है। वहीं सड़क पर भारी वाहन ट्रक, डंपर बस

इत्यादि को चलने के लिए 80 किमी प्रति घंटा गति निर्धारित है।

इन्हें प्रतिबंध किया गया

एनएचएआइ पीडी नकुल वर्मा ने बताया कि इस एक्सप्रेसवे पर वाहनों की गति को सीमित किया गया है। ऐसे में मार्ग पर बाइक, आटो, ई रिक्शा व साइकिल आदि पूरी तरह प्रतिबंधित हैं।

दोनों शहरो के बीच यात्रा में समय कम होगा

सड़क मार्ग से लखनऊ से कानपुर की दूरी 93 किलोमीटर है और हवाई दूरी 77 किलोमीटर है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय दो घंटे से घटकर 45 मिनट हो जाएगा। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे की लंबाई 63 किलोमीटर है। इसमें 18 किलोमीटर का एलिवेटेड रूट और 45 किलोमीटर का नया खंड अविकसित भूमि पर बनाया गया है।

क्रिकेट फैंस के लिए खुशखबरी, लखनऊ और कानपुर दोनों जगह खेले जाएंगे यूपी टी-20 लीग के मैच

यूपी टी-20 लीग के चौथे संस्करण में 22 मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम और 12 मैच कानपुर के ग्रीन पार्क में खेले जाएंगे।

लीग के 22 मैच लखनऊ, 12 कानपुर के ग्रीन पार्क में।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर दो शहरों में लीग का आयोजन।

बारिश की संभावना के चलते ग्रीन पार्क में बाद के मैच।

(जीएनएस)।

कानपुर। यूपी टी-20 लीग के चौथे संस्करण में उद्घाटन समारोह सहित 22 लीग मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम और फाइनल सहित 12 मैच ग्रीन पार्क में खेले जाएंगे। लीग की मेजबानी को लेकर रविवार दोपहर ग्रीन पार्क में गवर्निंग काउंसिल की बैठक के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

लीग का चौथे संस्करण को ग्रीनपार्क में कराने की घोषणा करीब दो महीने पहले हुई थी, लेकिन इसी बीच खेल विभाग की ओर से पहले सीजन में खेले गए मुकाबलों के शुल्क के रूप में बकाया पांच करोड़ रुपये की धनराशि मांगे जाने के पत्राचार के बाद इसे लखनऊ में कराने की तैयारी शुरू हो गई।

पहला चरण पूरा होने के बाद एक दिन का रेस्ट होगा

हालांकि, क्रिकेट प्रमियों के उत्साह को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लीग को दो शहरों में कराने के निर्देश दिए। इसके बाद नए सिरे से रूपरेखा तैयार की गई है। लीग 14 अगस्त से छह सितंबर तक आयोजित होनी है।

इन दिनों में बारिश होने की संभावना अधिक है। इसलिए ग्रीन पार्क स्टेडियम में ड्रेनेज सिस्टम नहीं होने के चलते मैचों को आवंटित करते समय मौसम का विशेष ध्यान दिया गया है और शुरूआती मैच लखनऊ व बाद के मैच कानपुर में खेले जाएंगे।

यह पहली बार होगा, जब लीग दो शहरों में आयोजित होने जा रही है। पहला चरण पूरा होने के बाद एक दिन का रेस्ट रखा जाएगा। इस दौरान ब्राडकास्ट टीम लखनऊ से कानपुर आकर अपना सेटअप लगाएगी।

इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टी20 में वैभव सूर्यवंशी क्यों नहीं खेल रहे?

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी मैदान पर नहीं उतरे। टॉस के समय श्रेयस अय्यर ने उनके बाहर होने के बारे में बताया। सूर्यवंशी के बाहर होने पर एक तरफ का खेमा नाखुश नजर आया लेकिन दूसरी तरफ ऐसे फैंस भी हैं, जिनको खुशी हुई।

वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन से बाहर का रास्ता दिखाते हुए टीम में संजू सैमसन को शामिल कर लिया गया। पिछले तीन मैचों में सैमसन टीम

से बाहर बैठे रहे और वैभव को मौका मिला था। जब वैभव तीनों बार लगातार फ्लॉप हो गए, तो अब सैमसन की वापसी हो गई।

भारतीय टीम में सूर्यवंशी के साथ और कौन बाहर?

हालांकि संजू सैमसन को भी खराब फॉर्म की वजह से ही बाहर किया गया था। आयरलैंड और इंग्लैंड को मिलाकर वह भी लगातार तीन मैचों में फ्लॉप रहे थे। इसके बाद सूर्यवंशी का डेब्यू कराने की मांग उठी लेकिन वहां भी कोई फायदा नहीं हुआ। अंत में टीम मैनेजमेंट सैमसन को वापस लेकर आ गया।

अंतिम टी20 में भारतीय टीम से वैभव सूर्यवंशी के अलावा एक और खिलाड़ी भी बाहर किया गया। वॉशिंगटन सुंदर को टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। उनकी जगह युवा खिलाड़ी सुर्यवंश शेडगे को शामिल किया गया। इस तरह टीम की प्लेइंग इलेवन में दो बड़े बदलाव किए गए।

नहर में मिला लखनऊ के युवक का कंकाल

(जीएनएस)।

भदैंया (सुल्तानपुर)। शिवगढ़ के पतीपुर नहर पुल के पास शनिवार शाम एक नर कंकाल मिला। परिजनों ने उसकी शिनाख्त लखनऊ के गोसाईंगंज के सिठौलीकला निवासी दीपक सिंह के रूप में की।

पतीपुर पहुंचे सिठौलीकला निवासी विजय सिंह ने बताया कि उनका भतीजा दीपक 18 जून से लापता था। आरोप है कि कुछ लोगों ने उसकी हत्या कर शव को नहर में फेंक दिया था। उसकी तलाश नहर के आसपास की जा रही थी। शनिवार दोपहर करीब तीन बजे लखनऊ के गोसाईंगंज थाने की पुलिस टीम शिवगढ़ के पतीपुर गांव के पास पहुंची। इसी बीच नहर के पुल के पास से नर कंकाल मिला। शिवगढ़ थाने के प्रभारी परशुराम ओझा ने बताया कि कंकाल की शिनाख्त घरवालों ने दीपक सिंह के रूप में की है। परिजनों की तहरीर के आधार पर पोस्टमार्टम व अन्य विधिक कार्रवाई की जाएगी।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

पाक में सही बात कहने वालों की मुश्किल

पाकिस्तान की समस्याएं वर्षो से निर्मित की गईं हैं क्योंकि उसने झूठ और बनावटी तथ्यों के आधार पर ही अपनी पहचान बनाई है। इसलिए जैसे ही कोई व्यक्ति सही बात स्वीकार करने का दुःसाहस करता है, फिर वह अकेले ही खड़ा नजर आता है क्योंकि पूरी व्यवस्था उससे आंखे तरेरने लगती है। अब देखिए वुछ दिन पहले ही पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पाटा के चेयरमैन बिलावल भुट्टो ने जैसे ही हाफिज सईद के बारे में आंशिक सच बोला, तो समूचा जेहादी नेटवर्व ही बिलावल के पीछे पड़ गया और उसे राष्ट्रद्रोही साबित करने में जुट गया। इस विचित्र देश में आतंकियों का महिमामंडन होता है, ऐसे में किसी पूर्व मंत्री की क्या औकात है कि वह देश की सेना प्रातिष्ठान के प्रामुख सहयोगी आतंकियों की वास्तविकता बताई जाए। दूसरी बार बिलावल ने 'द वायर' को दिए एक इण्टरव्यू में यह स्वीकार कर लिया कि पाकिस्तान में मौजूद हिजबुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों में लिप्त हैं, तो पाकिस्तान में भारत के विरुद्ध आतंकी गतिविधियों के समर्थकों ने बिलावल के खिलाफ तूफान खड़ा कर दिया। सच तो यह है कि इस वक्त पाकिस्तान में स्थिति असामान्य है। फील्ड मार्शल जेहादी जनरल आसिम मुनीर आसिफ अली जरदारी को हटाकर खुद राष्ट्रपति बनना चाहता है। यदि ऐसा हुआ तो पीपीपी शाहबाज शरीफ सरकार से समर्थन वापस लेने पर अड़ सकती है। शरीफ खानदान की पाटा मुस्लिम लीग (नवाज) के लिए जरूरी है कि वह पीपीपी का समर्थन किसी भी समझौते के तहत हासिल रखे। लेकिन सवाल यह है कि बिलावल को यह ज्ञान वैसे प्राप्त हो गया कि वह भारत के प्राति अपने विचारों में आंशिक रूप से हकीकत स्वीकार करने लग गए हैं? भारत को गलतफहमी में रहने की जरूरत नहीं है, बिलावल सत्ता पर दबाव बनाने के लिए अपने देश की नीतियों के खिलाफ अण्ड-बण्ड बोल जरूर रहा है जो उसकी राजनीति का स्थाई भाव बिल्वुल नहीं है। भारत के प्राति उसके दिल और दिमाग में भी उतना ही जहर भरा है जितना की दूसरे नेताओं में।

प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के निवेशकों को भारत के अहम क्षेत्र में साझेदार बनने का दिया न्योता

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड के निवेशकों और बिजनेस हाउस को इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, सिविल एविएशन, लॉजिस्टिक्स, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी गतिशीलता, जल प्रबंधन, कचरा प्रबंधन और डिजिटल इकॉनमी क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी करने के लिए निमंत्रण दिया।

भारत के जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की सराहना करते हुए, पीएम मोदी ने नवाचार, फिनटेक और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में दोनों देशों के निजी क्षेत्रों के बीच घनिष्ठ जुड़ाव का आह्वान किया। सीईओ और व्यापारिक नेताओं के एक चुनिंदा समूह को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि डेयरी विज्ञान, बागवानी और वानिकी में न्यूजीलैंड की ताकत और भारत के उपभोक्ता बाजार, खाद्य पार्क और कृषि-तकनीक प्रतिभा को वैश्विक खाद्य मूल्य शृंखला बनाने के लिए एक साथ आना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने व्यवसाय को निवेश और कमर्शियल साझेदारी बढ़ाने और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 7 बिलियन न्यूजीलैंड डॉलर (लगभग 35,000 करोड़) करने के टारगेट को पूरा करने में मदद करने के लिए बढ़ावा दिया। पीएम मोदी ने जोर दिया कि भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक साझेदारी सबको साथ लेकर चलने वाले और टिकाऊ व्यापार के लिए एक मॉडल और इनोवेशन और खुशहाली के लिए एक प्लेटफॉर्म बन सकती है।

इस कार्यक्रम में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की मौजूदगी में पीएम मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के सम्मान, विविधता और सतत

विकास के लिए एक आम प्रतिबद्धता से बंधे हैं, जो एक बड़ी और आगे की सोच वाली आर्थिक साझेदारी के लिए एक मजबूत नींव देता है।

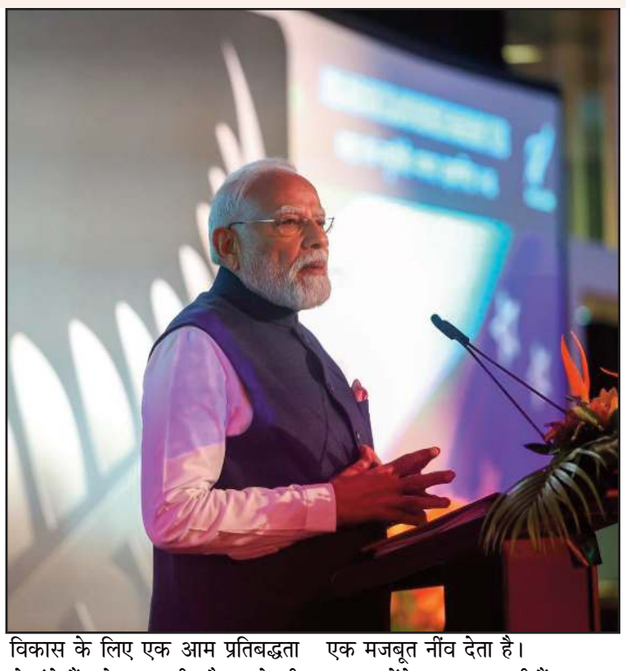

उन्होंने भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते को एक लैंडमार्क डील बताया, जो दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में गहराई और तेजी लाएगा और मार्केट एक्सेस, निवेश, सेवाओं, तकनीक और टैलेंट मोबिलिटी के लिए नए मौके खोलेगा।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत की लगातार तेजी से बढ़ोतरी, युवा और स्किल्ड वर्कफोर्स, बढ़ता मिडिल क्लास, डिजिटल क्रांति, नेक्स्ट-जेनरेशन इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर और लगातार हो रहे आर्थिक सुधार न्यूजीलैंड की कंपनियों के लिए व्यापार, निवेश और इनोवेशन के बड़े मौके देते हैं।

इसके बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ह्वआज सुबह ऑकलैंड में प्रधानमंत्री लक्सन के साथ लंबी और फायदेमंद बातचीत हुई। पिछले साल उनके भारत दौरे ने हमारी द्विपक्षीय साझेदारी को ऊर्जा दी और आज मेरे दौरे, जो चार दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला दौरा है, ने भारत-न्यूजीलैंड की दोस्ती को और बढ़ावा दिया है। हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने का फैसला किया है। हम हर क्षेत्र में साफ लक्ष्यों और ठोस नतीजों के साथ आगे बढ़ेंगे ह्व

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पीएम लक्सन के साथ बातचीत में जिन क्षेत्रों पर खास तौर पर बात हुई, उनमें व्यापार, तकनीकी और निवेश लिंकेज शामिल हैं। हमने कृषि, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण में सहयोग के लिए एक मजबूत फ्रेमवर्क भी बनाया है। स्वास्थ्य सुविधाओं और ट्रेडिशनल मेडिसिन पर भी उतना ही जोर देना जरूरी है। रक्षा और सुरक्षा में हमारा बढ़ता सहयोग हमारे दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक भरोसे को दिखाता है। यह कुछ ऐसा है जिसे हम और आगे बढ़ाएंगे।

दतिया में अब शिवसेना की टिकट पर चुनाव लड़ेंगे नरोत्तम मिश्रा? ऑफर का क्या होगा? कांग्रेस ने भी चला बड़ा कार्ड

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजनीति में इस समय दतिया विधानसभा सीट पर होने नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को मैदान में उतारने के बाद से ही यहां सियासी घमासान

पहली बड़ी खबर यह है कि कांग्रेस ने इस हॉट सीट से दतिया राजघराने से ताल्लुक रखने वाले कद्दावर नेता घनश्याम सिंह को अपना आधिकारिक उम्मीदवार बना दिया है।

वहीं दूसरी और सबसे चौंकाने वाली एंट्री महाराष्ट्र से हुई है, जहां उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (वइळ) ने नरोत्तम मिश्रा को दतिया से चुनाव लड़ने का खुला न्योता देकर सबको हैरान कर दिया है।

ठ१ङ्म३ें द्र२ँ१

उद्धव ठाकरे की पार्टी ने नरोत्तम मिश्रा को क्या ऑफर दिया?

बीजेपी के भीतर जारी असंतोष के बीच शिवसेना (UBT) ने बड़ा राजनीतिक दांव खेला। पार्टी के मध्य प्रदेश प्रमुख सुनील शर्मा ने कहा कि नेतृत्व से चर्चा के बाद नरोत्तम मिश्रा को शिवसेना (UBT) के टिकट पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया गया है।

शिवसेना (UBT) के मध्य प्रदेश प्रमुख सुनील शर्मा ने साफ किया है कि उन्होंने अपनी आलाकमान से हरी झंडी मिलने के बाद नरोत्तम मिश्रा को पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने का ऑफर भेजा है। सुनील शर्मा का कहना है कि अगर नरोत्तम मिश्रा इस ऑफर को स्वीकार करते हैं, तो खुद पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे जैसे बड़े नेता मध्य प्रदेश आकर उनके समर्थन में प्रचार करेंगे।

उन्होंने राज्य के आईटी सेल प्रमुख नहार सिंह गौर को इस खुले निमंत्रण का वीडियो मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल करने की जिम्मेदारी भी सौंप दी है। फिलहाल नरोत्तम मिश्रा की ओर से इस प्रस्ताव पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बीजेपी में टिकट को लेकर क्यों मचा बवाल?

बीजेपी की ओर से आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद दतिया में नरोत्तम मिश्रा समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कई जगह प्रदर्शन हुए, नेशनल हाईवे जाम किया गया, बाजार बंद कराए गए और स्थानीय बीजेपी कार्यालय में ताला लगाने की भी खबर सामने आई। विरोध के दौरान हिंसा के आरोप भी लगे, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए।

हालांकि प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने साफ कहा कि पार्टी का फैसला अंतिम है। उन्होंने कहा कि कुछ कार्यकताओं के इस्तीफे की जानकारी मिली है, लेकिन किसी का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। पार्टी नेतृत्व चाहता है कि सभी कार्यकर्ता चुनाव में सक्रिय रहें। उन्होंने यह भी कहा कि नरोत्तम मिश्रा पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और उनके मार्गदर्शन में बीजेपी दतिया उपचुनाव बड़े अंतर से जीतेगी।

हेमंत खंडेलवाल ने कहा, "इखढ ने आशुतोष तिवारी को चुनाव के लिए अपना ऑफिशियल कैंडिडेट घोषित किया है। मुझे पता चला है कि पार्टी के कुछ वर्कर्स ने अपना इस्तीफा दे दिया है। हालांकि मुझे कोई इस्तीफा नहीं मिला है, लेकिन हमारी पार्टी लीडरशिप ने तय किया है कि सभी पार्टी वर्कर्स अपने काम में लगे रहें। इसलिए हमने कोई इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। नरोत्तम मिश्रा हमारे सीनियर लीडर हैं, उनके गाइडेंस में, हम दतिया चुनाव लड़ेंगे और बड़ी जीत हासिल करेंगे।"

दतिया राजघराने के 'राजा' पर कांग्रेस का भरोसा

बीजेपी के अंदर मचे इस घमासान के बीच विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने बिल्कुल भी देरी नहीं की और दतिया के पूर्व जिला अध्यक्ष 72 वर्षीय घनश्याम सिंह को मैदान में उतार दिया। घनश्याम सिंह का दतिया राजघराने से पुराना नाता है और वे तीन बार के विधायक हैं। उनके पिता महाराज कृष्ण सिंह जू देव साल 1984 में कांग्रेस के टिकट पर भिंड-दतिया लोकसभा सीट से सांसद रह चुके हैं।

टिकट मिलने के बाद कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने जीत का भरोसा जताते हुए कहा, "मैं यह उपचुनाव हर हाल में जीतने जा रहा हूं। मेरा पूरा ध्यान दतिया के विकास पर होगा और इलाके में फैली बदले की भावना वाली राजनीति और जातिवाद के जहर को खत्म करना मेरी सबसे पहली प्राथमिकता होगी।"

दतिया का चुनावी इतिहासः जब आमने-सामने आए थे नरोत्तम और घनश्याम

घनश्याम सिंह का दतिया और सेवढ़ा सीट पर लंबा राजनीतिक इतिहास रहा है। उन्होंने पहली बार साल 1993 में बीजेपी के शंभू दयाल तिवारी को हराकर दतिया सीट पर कब्जा जमाया था। इसके बाद साल 2003 में अवधेश नायक को पटखनी देकर वे दोबारा विधानसभा पहुंचे।

हालांकि साल 2008 के विधानसभा चुनाव में उनका सामना नरोत्तम मिश्रा से हुआ, जहां मिश्रा ने उन्हें हरा दिया था। इसके बाद घनश्याम सिंह ने साल 2013 में सेवढ़ा से भाग्य आजमाया पर नाकामी मिली, लेकिन साल 2018 में उन्होंने सेवढ़ा सीट जीतकर शानदार वापसी की। हालांकि साल 2023 के पिछले चुनाव में वे बीजेपी के प्रदीप अग्रवाल के हाथों हार गए थे।

क्यों हो रहा है दतिया में समय से पहले चुनाव?

दतिया उपचुनाव इसलिए कराना पड़ रहा है क्योंकि साल 2023 के मुख्य विधानसभा चुनाव में नरोत्तम मिश्रा को हराने वाले कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को कोर्ट ने बड़ा झटका दिया था। भारती को धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में दोषी पाते हुए तीन साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, जिसके तुरंत बाद नियमों के तहत उन्हें विधायक पद के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया।

अब इस खाली हुई सीट को भरने के लिए चुनाव आयोग ने तारीखों का ऐलान कर दिया है। दतिया विधानसभा सीट पर आगामी 30 जुलाई को वोट डाले जाएंगे और वोटों की गिनती 3 अगस्त को होगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि नरोत्तम मिश्रा उद्धव ठाकरे के इस तीर को थामकर बीजेपी के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंकते हैं या चुपचाप पार्टी के फैसले के साथ बने रहते हैं।

न नौकरी, न बॉस, फिर भी स्विट्जरलैंड में बिताए 6 महीने, इंडियन गर्ल ने शेयर किया अनोखा तरीका

(जीएनएस)।

: हर दिन आठ से दस घंटे की नौकरी करने के बावजूद महीने के अंत में अकाउंट में सैलरी इतनी आती हैं, जिससे जरूरतें पूरी नहीं होती। इसके बावजूद बहुत से लोगों का मानना है कि फाइनेंशियल सिक्योरिटी का सीधा मतलब फुल-टाइम सिर खपाने वाली नौकरी से होता है।

इसी बीच सोशल मीडिया पर एक इंडियन गर्ल का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उसने खुलासा किया कि कैसे बिना कॉरपरेट नौकरी के दुनिया के महंगे स्विट्जरलैंड जैसे देश में समय बिता रही है। इसके साथ ही चंद हजार की नौकरी छोड़कर मौज करते हुए डॉलरों में मोटी कमाई कर रही है।

कौन है ये लड़की?

सोशल मीडिया पर जिस लड़की वीडियो वायरल हो रहा है उसका नाम स्नेह गौर है। उसने अपने वीडियो में बताया कि बिना किसी कॉर्पोरेट नौकरी के कैसे स्विट्जरलैंड में 6 महीने बिताते हुए खूब मस्ती की।

₹45,000 की छोड़ी कॉपरेट नौकरी, अब बिता रहीं आलीशान जिंदगी

स्नेहा गौर ने बताया वो कुछ समय पहले कॉर्पोरेट नौकरी करती थी और हर महीने लगभग ₹45,000 कमाती थी। लेकिन इतनी मेहनत के बाद इतनी कम सैलरी में वो अपने आलीशान जीने के ख्वाब पूरे नहीं कर पा रही थी तब उसने स्पेनिश भाषा सीखने का फैसला किया और पूरी मेहनत लगा दी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा कि ये एक ऐसा हुनर था जिसने मेरी जिंदगी ही बदल दी।

स्नेह गौर ने कहा मुझे भी पहले लगता था सफल होने के मायने डिग्री लेना, सैलरी पाना, जॉब करना और अगला प्रमोशन पाकर तरक्की करना है। लेकिन मुझे अब ये एहसास हो गया है कि असल में मुझे घूमने-फिरने और अपनी पसंद की जगह पर रहने की आजदी चाहिए थी। ऐसी आजादी जिसकी हमेशा से मुझे चाहत थी।

स्नेह गौर ने ऐसा क्या किया, जिससे कर रही कमाई

स्नेह गौर ने बताया कि उसने स्पेनिश भाषा सीखी और इस भाषा के लिए स्पेन गई और इंटरनेशनल अनुभव पाने और दुनिया भर के लोगों से जुड़ने के मौके तलाशे। इसके बाद इसी हुनर को सीख कर मैंने अपना बिजनेस में बदल लिया। उन्होंने बताया कि वो वर्तमान समय में स्पेन ट्रिप गाइड, डिजिटल प्रोडक्ट और ऑनलाइन कटेंट क्रिएटर्स के लिए एडवाइजरी प्रोग्राम करती हैं और इसके साथ ही ब्रांड प्रमोशन से पहले स्पेनिश पढ़ाना शुरू किया।

"ना आफिस, ना सैलरी फिर भी मैं हर सुबह स्विट्जरलैंड में उठती हूं"

गौर ने कहा जब मैं स्विट्जरलैंड चली गई, तो मैं किसी कंपनी के सैलरी पर निर्भर नहीं थी क्योंकि मेरा लैपटॉप और मेरी रिमोट टीम ही काफी थी। उन्होंने बताया मेरा कोई ऑफिस नहीं है, कोई बॉस नहीं, किसी की गुलामी नहीं, नौकरी नहीं सैलरी नहीं फिर भी हर सुबह मैं स्विट्जरलैंड में उठती हूं। उन्होंने समझाया ये ही वो आजादी है जो हर कोई चाहता है।

मोजतबा खामेनेई ने खाई बदला लेने की कसम, जारी किया नया संदेश

(जीएनएस)।

अली खामेनेई को शुक्रवार को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। उनके जनाजे से गायब रहे उनके बेटे मोजतबा खामेनेई अब दुनिया के नाम एक बड़ा संदेश दिया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर की मौत का बदला लेने की बात कही है। अपने टेलीग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक लिखित संदेश में उन्होंने स्पष्ट किया कि अपने पिता की मौत का बदला लेना केवल उनका व्यक्तिगत मामला नहीं है, बल्कि यह पूरे ईरान की राष्ट्रीय मांग बन चुका है। उनका यह बयान ईरान के उस रुख को दर्शाता है, जो वे इस घटना के बाद से अपनाए हुए हैं।

हालांकि जून में हुए सीजफायर के बाद मोजतबा का गुस्से वाला रुख थोड़ा कम हुआ था। लेकिन जैसे ही दोनों देशों में एक बार फिर जंग छिड़ी तो मोजतबा ने ये संदेश जारी कर अमेरिका को बता दिया है कि उनके इरादे क्या हैं। इसके अलावा ईरानी फोर्स क्र्क्र्क्र्छ जो शुरूआत से ही इसी मकसद के साथ आगे बढ़ रही है अब मोजतबा भी उसके सुर में सुर मिलाते दिख रहे हैं।

अली खामेनेई की मौत और जनाजा

यह आधिकारिक बयान पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे के बाद सामने आया। गौरतलब है कि अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को हुए अमेरिकी और इजरायली हवाई हमलों में मारे गए थे। घटना के इतने समय बाद उन्हें दफनाया जाना इस बात का संकेत है कि देश इस नुकसान से उबरने की कोशिश कर रहा था और इस प्रक्रिया में कई प्रशासनिक के

साथ-साथ कूटनीतिक औपचारिकताएं शामिल थीं।

ईरान का बदला लेने की कसम

अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने संदेश में शहीद नेता की मौत का बदला लेने के संकल्प को एक बार फिर दोहराया। उन्होंने इस घटना के लिए जिम्मेदार पक्षों के खिलाफ उचित जा रहा उपचुनाव टॉक ऑफ द टाउन बन चुका है। बीजेपी की तरफ से दंडात्मक कार्रवाई और न्याय का वादा किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह बयान मिडिल ईस्ट में लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक और सैन्य संघर्ष को एक नए और अधिक संवेदनशील दौर में ले जा सकता है।

ट्रंप का डर और ईरान की धमकी

मचा हुआ है। इसी हंगामे के बीच दो ऐसी बड़ी घटनाएं हुईं जिसने पूरे चुनाव का रुख ही पलट कर रख दिया है।

हाल ही में जारी नई इजरायली रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारने की प्लानिंग कर रहा है। जैसे ही इसकी जानकारी डोनाल्ड ट्रंप को चली तो उन्होंने अपने आधिकारिक बयान के जरिए ईरान को सीधी धमकी दे दी है। ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि वे अगर मुझे मारने की कोशिश भी करते हैं तो 1000 मिसाइलें लॉक और लोडेड हैं जो फौरन ईरान पर हमला कर उसे तबाह कर देंगे।

फिलहाल दोनों तरफ से आक्रामक बयान और हमले जारी हैं और इससे इतर मिडिल ईस्ट के देश शांति समझौतों के विकल्प तलाश रहे हैं। देखना होगा ये जंग कहां जाकर रुकती है।

नेशनल हाईवे जाम, 8 पुलिसकर्मी घायल, टिकट कटने के बाद भोपाल पहुंचे नरोत्तम ने समर्थकों से क्या कहा?

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेशः देश में आज दिल्ली से ज्यादा दतिया की राजनीति का माहौल गर्म है। कारण है बस एक नाम, पूर्व गृहमंत्री और बीजेपी के कद्दावर नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा। 2023 के चुनाव में अपनी पारम्परिक सीट गंवा चुके मिश्रा को थोड़ी आस जगी थी उप चुनाव में उनकी विधानसभा में वापसी हो जाएगी। बाकी मेहनत पर पूरा भरोसा पहले से था कि पार्टी कोई न कोई बड़ा पद दे ही देगी। लेकिन नसीब और पार्टी की नीयत ने ऐसा कॉकटेल बनाया कि नरोत्तम मिश्रा के

अरमान धूल में मिल गए। पार्टी ने उनकी जगह आशुतोष तिवारी को टिकट देकर गेम पूरा पलट दिया है।

दूसरी तरफ अपने नेता का टिकट कटना बर्दाश्त न कर सके समर्थकों ने दतिया ही बंद करा दिया और झांसी जाने वाले हाइवे को 12 घंटे से बंद रखा है। इस दौरान समर्थकों की झड़प पुलिस वालों से भी हुई जिसमें करीब 8 पुलिसकर्मी घायल हो गए। जिसके बाद नेताजी को भोपाल तलब किया गया और पार्टी आदेश पर सहमति जताने के लिए दिल्ली से निर्देश भी आए।

भोपाल पहुंचे नरोत्तम, मीडिया से क्या बोले?

नरोत्तम मिश्रा शनिवार को भोपाल पहुंचे। संगठन के निर्देश पर वे भोपाल जंक्शन स्टेशन पर उतरे, जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने दतिया में टिकट वितरण के बाद कार्यकताओं की प्रतिक्रिया और अपनी भावी रणनीति पर विचार रखे।

ये ठीक नहीं है, कार्यकताओं को समझाऊंगा- मिश्रा

दतिया उपचुनाव के लिए भाजपा द्वारा नरोत्तम मिश्रा को उम्मीदवार न बनाए जाने के बाद उनके समर्थकों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। शुक्रवार शाम से वहां स्थिति प्रशासनिक रूप से संवेदनशील बनी हुई है, वहीं पुलिसकर्मियों के घायल होने वाली घटना पर डॉ मिश्रा ने कहा कि विरोध का यह तरीका उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता असंतुष्ट हैं, उन्हें समझाने का प्रयास किया जाएगा और वे स्वयं उनसे संवाद करेंगे।

पार्टी से मतभेद पर क्या बोले नरोत्तम मिश्रा?

नेतृत्व से मतभेद की चचाओं को खारिज करते हुए पूर्व गृहमंत्री ने स्पष्ट किया कि वे पार्टी के फैसले के साथ हैं। उनके मुताबिक, चुनाव में किसे प्रत्याशी बनाना है, यह पूरी तरह से कार्य समिति का आंतरिक फैसला होता है। संगठन ने जिसे उपयुक्त समझा, उसे टिकट दिया है। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि वे दल के नियमों का पालन करेंगे और भविष्य में मिलने वाली किसी भी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे।

अभी आराम करूंगा, थक गया हूं

रेलवे स्टेशन पर संक्षिप्त वार्ता में डॉ. मिश्रा ने बताया कि सांगठनिक चर्चा के लिए उन्हें बुलाया गया है और वे शीघ्र ही नेताओं से भेंट करेंगे। उन्होंने कहा कि 'यात्रा के कारण वे थक गए हैं इसलिए अभी आराम करेंगे', जिसके बाद मुलाकातों का क्रम शुरू होगा। इसके बाद वे चार इमली स्थित अपने निवास के लिए प्रस्थान कर गए। वार्ता के अंत में विपक्ष के दावों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि यदि विपक्षी दल भाजपा की कार्यशैली को ठीक से समझ पाता, तो उसे वर्तमान राजनीतिक स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।

हरमनप्रीत कौर ने लॉड्र्स में बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड, किया ऐसा कारनामा जो पहले कोई भारतीय नहीं कर पाया

(जीएनएस)।

महिला क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ लॉड्र्स टेस्ट मैच के पहले दिन टीम इंडिया की तीन प्लेयर्स ने अपने बल्ले से जलवा बिखरने का काम किया। उनमें स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा का नाम शामिल है। फिफ्टी जड़कर हरमनप्रीत कौर ने इतिहास में एक अलग पन्ना लिख दिया है।

भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी जिस कार्य को नहीं कर पाए थे, उसको हरमनप्रीत कौर ने कर दिया। अपनी 58 रनों की पारी में ही वह एक धमाकेदार रिकॉर्ड अपने नाम करके चली गईं। हरमन अब लॉड्र्स में तीनों प्रारूप में 50+ का स्कोर करने वाली पहली भारतीय बन गई हैं।

रोहित शर्मा आधुनिक क्रिकेट में धमाल मचाने वाले प्लेयर्स माने जाते हैं लेकिन लॉड्र्स में यह काम वह भी नहीं कर पाए थे। विराट कोहली ने लॉड्र्स में तीनों प्रारूप नहीं खेले हैं लेकिन रोहित शर्मा ने वहां टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 में टीम

इंडिया का प्रतिनिधित्व किया है।

स्मृति मंधाना का भी धाकड़ कीर्तिमान

स्मृति मंधाना ने भी भारत की पहली पारी के दौरान धमाल मचाते हुए 83 रनों की पारी खेली। अगर वह शतक जमा देतीं, तो महिला क्रिकेट में सर्वाधिक शतकों का रिकॉर्ड अपने नाम कर लेतीं लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। मंधाना ने एक कीर्तिमान इस मैच के दौरान हासिल किया।

वह भारत के लिए 300 इंटरनेशनल गेम खेलने वाली तीसरी महिला क्रिकेटर बन गईं। स्मृति मंधाना से पहले यह कारनामा सिर्फ मिताली राज और हरमनप्रीत कौर ने ही किया था। 300वें इंटरनेशनल मैच में उनका शतक आ जाता, तो यह एक यादगार पल बन जाता।

हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के जिला कार्यालय पर पूज्य महंत श्री श्री 1008 श्री संतराम दास जी महाराज को श्रद्धांजलि

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। श्री अयोध्या धाम स्थित पावन हनुमानगढ़ी की पंचांग पट्टी उज्जैनिया के पूज्य महंत श्री श्री 1008 श्री संतराम दास जी महाराज के गोलोकगमन के उपरांत शनिवार को मसौली चौराहा स्थित हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के जिला कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा में पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के जिलाध्यक्ष छोटा योगी मोहित हिंदू ने कहा कि पूज्य महंत जी का आध्यात्मिक मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व सदैव उनके अनुयायियों एवं श्रद्धालुओं के हृदय में अमिट स्मृति के रूप में जीवंत रहेगा परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में सद्गति प्रदान करें तथा शोकाकुल संत समाज, श्रद्धालुओं एवं उनके समस्त अनुयायियों को यह अपूरणीय वियोग सहन करने का संबल प्रदान करें।

श्रद्धांजलि सभा मे जिला प्रभारी छोटा योगी मोहित हिन्दू जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र वर्मा धनराज कपिल मोनू वर्मा पप्पू वर्मा गुड्डु वर्मा आकाश वर्मा पवन विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

योगी सरकार का नकली दवा माफिया पर बड़ा प्रहार, आगरा में जालसाज सिंडिकेट की टूटी कमर; एक साथ 13 फर्मों पर छापा

आगरा में नकली दवा सिंडिकेट पर एफएसडीए की बड़ी कार्रवाई।

13 फर्मों पर छापे, करोड़ों की नकली दवाएं जब्त, 9 एफआईआर।

सरकारी दवाओं की कालाबाजारी, री-लेबलिंग और फर्जी बिलिंग का खुलासा।

(जीएनएस)।

लखनऊ/आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नकली और अवैध दवा कारोबार के खिलाफ चल रहे प्रदेशव्यापी अभियान में उत्तर प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने आगरा में अब तक की सबसे बड़ी और सबसे निर्णायक कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये के संगठित दवा सिंडिकेट की परतें खोल दी हैं।

एफएसडीए आयुक्त डॉ. रोशन जैकब के नेतृत्व में 15 ड्रग इंस्पेक्टरों की विशेष टीमों ने एक साथ कई स्थानों पर छापेमारी कर नकली दवाओं, सरकारी अस्पतालों की जीवनरक्षक दवाओं की कालाबाजारी, फर्जी बिलिंग, अवैध री-लेबलिंग, फिजीशियन सैंपलों की बिक्री और अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा किया।

कार्रवाई के बाद 14 संचालकों के खिलाफ तीन नई एफआईआर दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई है। इसके साथ ही पूरे अभियान में दर्ज मुकदमों की संख्या 9 और निरस्त अथवा निलंबित थोक लाइसेंसों की संख्या 58 पहुंच गई है।

15 ड्रग इंस्पेक्टरों ने एक साथ मारे छापे

आयुक्त डॉ रोशन जैकब के नेतृत्व में गठित 15 औषधि निरीक्षकों की टीमों ने आगरा के कम्बूटोला, मुबारक महल, जूता बाजार (शू मार्केट), कृष्णा कॉम्प्लेक्स, नवबिया मार्केट और कोतवाली क्षेत्र में एक साथ कार्रवाई की।

जिन 13 फर्मों पर छापेमारी हुई उनमें मोहन ट्रेडर्स (कम्बूटोला), मनी मेडिकल (मुबारक महल), नीलकंठ (कृष्णा कॉम्प्लेक्स), वंश फार्मा (कम्बूटोला), प्रशांत मेडिकल (कम्बूटोला), पोरवाल मेडकेयर (शू मार्केट), एपी फार्मा, एचएमजी ड्रग हाउस (मुबारक महल), डॉली ड्रग हाउस (कम्बूटोला), मनु फार्मा (कोतवाली के सामने), आरडीएम फार्मास्युटिकल्स (नवबिया मार्केट), इनाया फार्मा (कम्बूटोला) और नूर फार्मा (कम्बूटोला) शामिल हैं।

कार्रवाई के दौरान मोहन ट्रेडर्स और मनी मेडिकल के परिसरों को पूरी तरह सील कर दिया गया, जबकि नीलकंठ, कृष्णा कॉम्प्लेक्स स्थित प्रतिष्ठान और मनु फार्मा पर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम की धारा 22(1)(d) के तहत रोक लगा दी गई। टीम ने मौके से 35 संदिग्ध दवाओं के नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेज दिए।

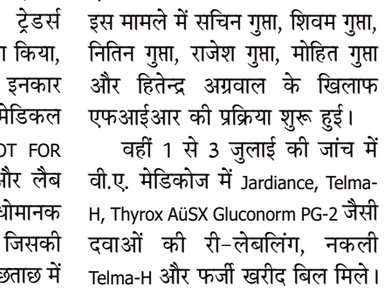

विभोर मेडिकल एजेंसी से खुला नकली दवाओं का अंतरराज्यीय नेटवर्क

एफएसडीए की ताजा जांच टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड की Chymoral Forte AüSX Shelcal के नकली होने संबंधी शिकायत से शुरू हुई। 7 नवंबर 2025 को अंशिका फार्मा के मालिक मनोज गुप्ता की जांच में पता चला कि उन्होंने Chymoral Forte की खेप विभोर मेडिकल एजेंसी से खरीदकर पाल ब्रदर्स (कोलकाता) को बेची थी। विभोर मेडिकल एजेंसी के प्रो. संजीव कुमार गुप्ता के यहां जांच में खरीद के बिल फर्जी मिले।

उन्होंने दवाएं गुप्ता मेडिकल एजेंसी (गोरखपुर) और हर्षित ट्रेडर्स (आगरा) से खरीदने का दावा किया, लेकिन दोनों फर्मों ने इससे इनकार कर दिया। वहीं वरदान मेडिकल एजेंसी में "ESI SUPPLY NOT FOR SALE" अंकित दवाएं मिलीं और लैब जांच में Chymoral Forte अधोमानक तथा ACILOC नकली पाई गई, जिसकी टोरेंट फार्मा ने भी पुष्टि की। पूछताछ में अंकुर अग्रवाल ने स्वीकार किया कि उसने नकली दवाएं संजीव कुमार गुप्ता से बिना वैध बिल के खरीदी थीं।

जांच में विभोर मेडिकल एजेंसी, वरदान मेडिकल एजेंसी, हर्षित ट्रेडर्स, गुप्ता मेडिकल एजेंसी और पाल ब्रदर्स का अंतरराज्यीय सिंडिकेट सामने आने पर संजीव कुमार गुप्ता, अंकुर अग्रवाल, प्रियंका बंसल, अरुण कुमार गुप्ता और पाल ब्रदर्स के खिलाफ बीएनएस की धाराओं 276, 277, 278, 316 और 318 में एफआईआर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

अस्पताल की दवाओं की री-लेबलिंग से लेकर फर्जी बिलिंग तक

एफएसडीए की जांच में अस्पताल और सरकारी आपूर्ति की जीवनरक्षक दवाओं की री-लेबलिंग, फर्जी बिलिंग और नकली दवाओं के संगठित नेटवर्क का खुलासा हुआ। 21 मई को युग फार्मा के प्रो. सचिन गुप्ता के यहां बिना कोल्ड-चेन रखे इंसुलिन इंजेक्शन और री-लेबलिंग मिली। पूछताछ में दवाओं की सप्लाई शारदा फार्मा के शिवम गुप्ता और आरएमडी फार्मा के राजेश गुप्ता तक पहुंची, जिसके बाद तीनों फर्में सील कर दी गईं।

बाद में शारदा फार्मा के सीसीटीवी में नबील खान और सोनू बघेल संदिग्ध दवाएं हटाते दिखे। एसटीएफ गाजियाबाद की पूछताछ में खुलासा हुआ कि वे मोहित गुप्ता (महादेव फार्मा) से अस्पताल व सरकारी आपूर्ति की दवाएं बिना बिल खरीदकर उन पर लगी 'Not for Sale' पहचान हटाकर फर्जी लेबल और नई एमआरपी के साथ बाजार में बेचते थे। इस मामले में सचिन गुप्ता, शिवम गुप्ता, नितिन गुप्ता, राजेश गुप्ता, मोहित गुप्ता और हितेन्द्र अग्रवाल के खिलाफ एफआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई।

वहीं 1 से 3 जुलाई की जांच में वी.ए. मेडिकोज में Jardiance, Telma-H, Thyrox AüSX Gluconorm PG-2 जैसी दवाओं की री-लेबलिंग, नकली Telma-H और फर्जी खरीद बिल मिले। शोभित अग्रवाल ने दवाएं लाइसेंस निरस्त हो चुके हर्षित ट्रेडर्स से लेने की बात स्वीकार की, जबकि जांच में वरदान मेडिकल एजेंसी के पुराने बिलों से करीब ₹1.88 करोड़ की फर्जी बिलिंग, अंकुर अग्रवाल द्वारा संजीव गुप्ता (विभोर मेडिकल एजेंसी) से बिना बिल नकली दवाएं खरीदने और सबूत मिटाने के प्रयास का खुलासा हुआ।

साथ ही मोहित बंसल (रुद्रा एंटरप्राइजेज) और प्रवीण अग्रवाल (श्री भगवती मेडिकल एजेंसी, मथुरा) द्वारा फर्जी बिल, UP-80 EL-0069 वाहन व ऑटो-रिक्शा के जरिए नकली दवाओं को वैध दिखाने का खेल सामने आया।

इसके आधार पर वी.ए. मेडिकोज, शोभित अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, संजीव गुप्ता, मोहित बंसल और प्रवीण अग्रवाल समेत संबंधित आरोपियों के खिलाफ संगठित अपराध की धाराओं में एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई शुरू कर दी गई।

3.63 करोड़ की अवैध दवाएं जब्त

एफएसडीए आयुक्त डॉ रोशन जैकब के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आगरा में नकली और अवैध दवा कारोबार के खिलाफ मई 2026 से लगातार चलाए जा रहे विशेष अभियान में अब तक ₹3.63 करोड़ से अधिक मूल्य की नकली, अवैध तथा सरकारी और डिफेंस सप्लाई की दवाएं जब्त की जा चुकी हैं।

यह अभियान केवल छापेमारी तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे सिंडिकेट की आर्थिक और आपराधिक श्रृंखला को तोड़ने पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि पूरे अभियान के दौरान अनियमितताओं और अवैध कारोबार में संलिप्तता पाए जाने पर अब तक 58 थोक दवा फर्मों के लाइसेंस निरस्त अथवा निलंबित किए जा चुके हैं। इस सिंडिकेट के खिलाफ पहले ही 6 नामजद एफआईआर दर्ज की जा चुकी थीं।

अब 10 जुलाई की कार्रवाई के आधार पर तीन नई एफआईआर दर्ज कराने के लिए आगरा के कोतवाली फव्वारा थाने में तहरीर दी गई है। इसके साथ ही पूरे अभियान में दर्ज मुकदमों की संख्या बढ़कर 9 हो जाएगी।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नकली दवाओं, अवैध री-लेबलिंग, फिजिशियन सैंपलों की कालाबाजारी और अंतरजनपदीय मूवमेंट पर लगातार निगरानी रखी जाए।

इसके अलावा विभाग को ड्रग एसोसिएशनों द्वारा कुछ दवा व्यापारियों से कथित अवैध वसूली की शिकायतें भी मिली हैं। आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि जांच में किसी व्यापारी के आर्थिक शोषण की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ एक्सटॉर्शन का मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल की लत: एक खामोश घातक बीमारी, जो धीरे-धीरे इंसान, रिश्ते और भविष्य सब कुछ निगल रही है!

इंसान नहीं, अब मोबाइल चला रहा है ज़िंदगी! क्या आप भी इसके गुलाम बन चुके हैं?

मोबाइल: सुविधा नहीं, धीरे-धीरे बनती घातक लत

अहमद मंसूरी

एक समय था जब मोबाइल इंसान के हाथ में था। आज हालात ऐसे हैं कि इंसान मोबाइल के कब्जे में है। मोबाइल एक ऐसा नशा है जो न दिखाई देता है, न बदबू करता है, न किसी दुकान पर प्रतिबंधित है। लेकिन ये इंसान की ज़िंदगी, रिश्ते, सोच, समय और भविष्य को हर दिन थोड़ा-थोड़ा निगल रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई स्क्रीन की दुनिया में इस कदर खो चुका है कि मानो मोबाइल के बिना ज़िंदगी का कोई मकसद ही नहीं बचा। एक मिनट के लिए मोबाइल आंखों से ओझल हो जाए तो बेचैनी शुरू हो जाती है। ऐसा लगता है जैसे सब कुछ छिन गया हो।

इस लत ने सबसे पहले इंसान से उसके अपने छीन लिए। घर-परिवार साथ है, लेकिन बातचीत नहीं। दोस्त पास हैं, लेकिन नजरें स्क्रीन पर हैं। रिश्तेदार मिलने आते हैं, मगर उनका स्वागत मुस्कान से नहीं, झुकी हुई गर्दन और मोबाइल की स्क्रीन से होता है। सामने बैठा इंसान इंतजार करता रह जाता है, और मोबाइल पर चल रही रीलें हंसी बटोरती रहती हैं।

आज रिश्ते दूर हो गए हैं और सोशल मीडिया के अनजान रिश्ते दिल के करीब आ गए हैं। अपनों की आवाज कम सुनाई देती है, लेकिन नोटिफिकेशन की छोटी-सी आवाज भी तुरंत ध्यान खींच लेती है।

बच्चे किताबों में भविष्य तलाशने के बजाय मोबाइल में ज़िंदगी ढूंढ रहे हैं। बड़े अपने परिवार से ज्यादा समय स्क्रीन को दे रहे हैं। धीरे-धीरे स्वभाव चिड़चिड़ा हो रहा है, धैर्य खत्म हो रहा है और संवेदनाएं कम होती जा रही हैं।

सबसे दर्दनाक तस्वीर तब दिखाई देती है जब एक ही कमरे में बैठे चार-पांच लोग एक-दूसरे से बात नहीं करते। हर कोई अपने-अपने मोबाइल में व्यस्त है। हंसी है, लेकिन रीलों पर। खुशी है, लेकिन वर्चुअल दुनिया में, असली ज़िंदगी, असली रिश्ते और असली एहसास कहीं पीछे छूट गए हैं।

मोबाइल बुरा नहीं है, लेकिन उसकी लत जरूर खतरनाक है। जब स्क्रीन इंसान पर हावी होने लगे, जब परिवार से ज्यादा मोबाइल जरूरी लगने लगे, जब बच्चों का बचपन और बड़ों का सुकून उसी में कैद हो जाए, तब ये सिर्फ आदत नहीं रहती, बल्कि एक गंभीर सामाजिक बीमारी बन जाती है।

अब सवाल हम सबके सामने है क्या हम मोबाइल के लिए जी रहे हैं या मोबाइल हमारे लिए बना था? क्या कुछ घंटों के लिए स्क्रीन से दूर होकर अपने परिवार, दोस्तों और अपनों के साथ हंसना, बातें करना और ज़िंदगी के खूबसूरत पल जीना इतना मुश्किल हो गया है? अगर इसका जवाब हाँ है, तो ये सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि आने वाले समय की सबसे खतरनाक और लाइलाज सामाजिक बीमारी बनने की चेतावनी है। अभी भी समय है। मोबाइल का इस्तेमाल करें, लेकिन उसे अपनी ज़िंदगी का मालिक न बनने दें। क्योंकि दुनिया की सबसे खूबसूरत रील मोबाइल में नहीं, बल्कि अपनों के साथ बिताए गए असली पलों में होती है

तेज रफ्तार पिकअप ने अल्टो कार को मारी टक्कर, कार्रवाई न होने का आरोप।

(जीएनएस)।

हरदोई। कासिमपुर थाना क्षेत्र की गौसगंज पुलिस चौकी के अंतर्गत एक सड़क दुर्घटना के मामले में पीड़ित ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है।

पीड़ित मोनू पुत्र अमर सिंह के अनुसार, वह अपनी अल्टो कार (वढ 32 ङअ 8185) से लखनऊ से अपने घर लौट रहे थे। उनका आरोप है कि 5 जून 2026 की रात करीब 9:12 बजे संडीलाझगौसगंज मार्ग पर गौसगंज गैस एजेंसी के पास तेज रफ्तार पिकअप (UP 30 T 4448) के

चालक अमरीश पुत्र जगतपाल ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीड़ित का कहना है कि उन्होंने 13 जून 2026 को गौसगंज पुलिस चौकी में घटना की लिखित शिकायत दी थी, लेकिन शिकायत दिए जाने के बावजूद अब तक मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी चालक के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

कानून से लेकर कनेक्टिविटी तक, उत्तराखंड में स्थिर सरकार ने 5 सालों में कितनी बदली राज्य की तस्वीर?

(जीएनएस)।

उत्तराखंड की राजनीति लंबे समय तक नेतृत्व परिवर्तन और राजनीतिक अस्थिरता की चर्चा में रही। मुख्यमंत्री बदलते रहे, प्राथमिकताएँ बदलती रहीं और कई योजनाएँ फाइलों से बाहर निकलने में वर्षों लगा देती थीं। पिछले कुछ वर्षों में यह तस्वीर कुछ बदली है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार का जोर बड़े नीतिगत फैसलों को लागू करने और प्रशासनिक निरंतरता बनाए रखने पर रहा है। सरकार का दावा है कि इसी स्थिरता ने उसे ऐसे फैसले लेने का अवसर दिया, जिन पर लंबे समय से चर्चा तो होती थी, लेकिन अमल नहीं हो पाया था।

इसी दौर में राज्य ने बुनियादी ढाँचे, सड़क और रेल संपर्क, स्वास्थ्य, पर्यटन, डिजिटल प्रशासन और सामाजिक कल्याण से जुड़े कई क्षेत्रों में नई पहलें शुरू कीं। सरकार इन्हें उत्तराखंड के दीर्घकालिक विकास की दिशा में उठाए गए कदम बताती है।

यूसीसी: लंबे विमर्श के बाद एक बड़ा कदम

धामी सरकार के कार्यकाल का सबसे चर्चित फैसला समान नागरिक संहिता रहा। 27 जनवरी 2025 को इसे लागू करने के साथ उत्तराखंड स्वतंत्र भारत का पहला राज्य बन गया, जहाँ विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे नागरिक मामलों के लिए एक समान कानूनी व्यवस्था लागू हुई।

सरकार का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य नागरिकों के लिए समान कानूनी ढाँचा उपलब्ध कराना और महिलाओं के अधिकारों को अधिक मजबूत बनाना है। सरकार के अनुसार, बाल विवाह, बहुविवाह और तीन तलाक जैसी प्रथाओं से जुड़े प्रश्नों पर भी यह कानून स्पष्ट व्यवस्था प्रदान करता है।

जनपद पीलीभीत के प्रधान प्रशासकों ने केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद से मुलाकात कर बंगाली समुदाय की समस्याओं से कराया अवगत

(जीएनएस)।

पीलीभीत, आज जनपद पीलीभीत के समस्त ग्राम पंचायत के ग्राम प्रशासक गणमान्य लोगों ने माननीय सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिनप्रसाद से मुलाकात कर बंगाली समाज में तमाम समस्याओं के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट करते हुए निराकरण की मांग की सर्वप्रथम वगांली समाज को हिंदुवर्ण व्यवस्था के अंतर्गत मान्यता देने व जिन विस्थापित परिवारों को वनविभाग के साथ भूमि विवाद के चलते अभी तक मालिकाना अधिकार नहीं दिया गया है उन्हें भी पट्टा देने व अन्य तमाम

समस्या के संबंध में मंथन कर चर्चा हुई है इस अवसर पर मंत्री जी को शंख धन्यवाद पत. देकर सम्मानित किया गया प्रतिनिधि मंडल में चंदिया हजारा के ग्राम प्रशासन वासुदेव कुंडू, पवीर सरकार, नगरिया खुर्द कला के ग्राम प्रशासक विवेकानंद सरकार ग्राम पंचायत भरतपुर के ग्राम प्रशासन मनोज जोरदार ग्राम पंचायत जोशी के ग्राम प्रशासक समीर मंडल ग्राम पंचायत टांडा बीजेपी के ग्राम प्रशासन मनोज सरकार ग्राम पंचायत नगरिया खुर्द के ग्राम प्रशासन हरीश मंडल मतुआ संघ के प्रदेश अध्यक्ष जय किशन समाज सेवी मिथुन दे अजीत डे सहित तमाम बंगाली समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे

यूपी के 74 जिलों में रोजगार मेला का आयोजन; जीरो पॉवर्टी वाले युवाओं को मिलेगी प्राथमिकता, जानिये कब लगेगा?

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार ने पिछले 9 वर्षों में कौशल विकास को उत्तर प्रदेश की नई पहचान बना दिया है.

(जीएनएस)।

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'हर हाथ को हुनर, हर हुनर को रोजगार' के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) द्वारा 13 और 14 जुलाई को प्रदेश के 74 जिलों में वृहद राज्य स्तरीय रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है.

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार ने पिछले 9 वर्षों में कौशल विकास को उत्तर प्रदेश की नई पहचान बना दिया है. आज यूपी की आईटीआई और स्किल सेंटर से प्रशिक्षित युवा देश-विदेश की नामी कंपनियों में काम कर रहे हैं.

उन्होंने कहा कि विश्व युवा कौशल दिवस पर 74 जिलों में एक साथ रोजगार मेले लगाकर हम 'हर हुनर को सम्मान, हर युवा को रोजगार' के लक्ष्य की ओर बड़ा कदम बढ़ा रहे हैं. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश है कि 'जीरो

पॉवर्टी अभियान' के तहत चिन्हित अत्यंत गरीब परिवारों के युवाओं और दिव्यांगजनों को रोजगार मेले में विशेष प्राथमिकता दी जाए. योगी सरकार का लक्ष्य अंतिम पायदान पर खड़े युवा तक रोजगार पहुंचाना है. यह मेला उसी संकल्प की कड़ी है.

UPSDM के मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि इन रोजगार मेलों का आयोजन जिला स्तर पर मुख्य विकास अधिकारी (CDO) और कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयक/एमआईएस मैनेजर के आपसी समन्वय से किया जाएगा.

उन्होंने बताया कि सभी जिलाधिकारियों को कार्यक्रम स्थल का चयन, निजी उद्योगों/कंपनियों को आमंत्रण और प्रशिक्षित युवाओं की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं. इच्छुक युवा रोजगार मेले की तारीख, समय और स्थान से संबंधित जानकारी अपने जनपद के आईटीआई से प्राप्त कर सकते हैं.

उन्होंने बताया कि इस रोजगार मेले में उत्तर प्रदेश का कोई भी युवा-युवती हिस्सा ले सकते हैं. UPSDM, DDU-GK और 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत प्रशिक्षित युवाओं के साथ-साथ औपचारिक शिक्षा पूरी कर चुके युवाओं को भी अवसर मिलेगा. 'जीरो पॉवर्टी अभियान' के युवाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी.

सभी मेला स्थलों पर दिव्यांगजनों के लिए रैम्प, सुगम आवागमन और अन्य आवश्यक सुविधाएं अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएंगी. पंजीकरण और व्यवस्थाओं को पारदर्शी बनाने के लिए मेला स्थलों पर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे. सुरक्षा के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती और पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था रहेगी. मेले के सफल समापन के तुरंत बाद, प्रत्येक जिले को चयनित और नियुक्त हुए युवाओं की अंतिम रिपोर्ट मिशन मुख्यालय को भेजनी होगी.

पीएम आवास योजना में घूसखोरी का आरोप, बरखेड़ा तल्लुक पसगवां में भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा

पीलीभीत। विकासखंड बिलसंडा के ग्राम बरखेड़ा तल्लुक पसगवां में प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर कथित भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान, सचिव तथा उनके एक कथित निजी बिचौलिए ने पात्र लोगों का नाम सूची में शामिल कराने के नाम पर बड़े पैमाने पर धन उगाही की।मामला उस समय सुर्खियों में आया जब गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची का सत्यापन शुरू हुआ। सत्यापन के दौरान कई ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए दावा किया कि उनसे योजना का लाभ दिलाने के नाम पर रुपये लिए गए थे। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि अंतिम सूची में ऐसे लोगों के नाम शामिल कर दिए गए हैं, जिनके पास पहले से पक्के मकान, ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं, जबकि वास्तविक जरूरतमंद परिवार योजना के लाभ से वंचित रह गए।ग्रामीणों ने इस पूरे प्रकरण से जुड़े कथित ऑडियो और वीडियो भी सार्वजनिक किए हैं तथा जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके।अब निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि जांच में लगाए गए आरोपों की पुष्टि होती है, तो यह मामला प्रधानमंत्री आवास योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करेगा।